



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 148]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 3, 2010/ज्येष्ठ 13, 1932

No. 148]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 3, 2010/JYAISTHA 13, 1932

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(डाक विभाग)

(डाक जीवन बीमा निदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मई, 2010

सं. 25-01/2010-एलआई.—भारत की राष्ट्रपति डाकघर जीवन बीमा निधि नियमावली में सहर्ष निम्नलिखित संशोधन करने का निदेश देती हैं :

(i) नियम 9(4)

नियम 9(4) (क) तथा (ख) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:

नियम 9(4)(क) पालिसी धारक को किसी ऐसे व्यक्ति अथवा धार्मिक ट्रस्ट को नामांकित करने का परामर्श दिया जाता है, जिसे पालिसी धारक की मृत्यु होने की स्थिति में बीमित राशि देय होगी ताकि पालिसी धारक के कानूनी उत्तराधिकारियों को पालिसी के अंतर्गत देय राशि हेतु कानूनी अधिकार प्राप्त करने का कष्ट अथवा खर्च न उठाना पड़े।

नियम 9(4)(ख) अपने जीवन का बीमा कराने वाला कोई पालिसी धारक पालिसी लेते समय अथवा भुगतान के लिए परिपक्व होने से पहले किसी भी समय ऐसे व्यक्ति अथवा व्यक्तियों अथवा धार्मिक ट्रस्ट का नामांकन कर सकता है जिसे वह अपनी मृत्यु होने की स्थिति में पालिसी द्वारा बीमित राशि के भुगतान की इच्छा रखता हो।

(ii) नियम 42(1)(ii)(क), (ii)(ख) तथा (iv)

उपरोक्त नियम में दर्शाई गई 75/- रु. तथा 10/-रु. की राशियों के स्थान पर क्रमशः 1000/- रु. तथा 100/- रु. प्रतिस्थापित किया जाएगा।

(iii) ग्रामीण डाक जीवन बीमा की शुरुआत के लिए नया नियम 3(क) जोड़ा जाएगा।

नियमावली के अनुच्छेद 8.2 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा:

"ग्रामीण डाक जीवन बीमा की गैर-चिकित्सा पालिसियां ऐसे प्रस्तावकों के मामले में स्वीकार की जाएगी जिनकी आयु अगले जन्म दिवस को 35 वर्ष तक है। डाकघर बीमा निधि नियमावली के अनुसार ग्रामीण डाक जीवन बीमा की गैर-चिकित्सा पालिसी के अन्य नियम तथा अन्य शर्तें, समय-समय पर संशोधित यथावश्यक परिवर्तन सहित, लागू होंगे यदि अन्यथा विशिष्ट निर्देश न दिए गए हों।"

(iv) नियम 39 एवं 40 में संशोधन

नियम 39(3) में अंतिम वाक्य के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :

किसी पालिसी को पालिसी की अवधि के दौरान केवल तीन बार पुनः चालू किया जा सकता है। ऐसा 3 वर्ष से कम की पालिसी के संबंध में अधिकतम छह महीने तक की अवधि तक के ब्याज सहित प्रीमियमों के बकाये का भुगतान करके किया जा सकता है।

नियम 40(4) में अंतिम वाक्य के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :

किसी पालिसी को पालिसी की अवधि के दौरान केवल तीन बार पुनः चालू किया जा सकता है। ऐसा 3 वर्ष से अधिक की पालिसी के संबंध में अधिकतम बारह महीने तक की अवधि तक के ब्याज सहित प्रीमियमों के बकाये का भुगतान करके किया जा सकता है।

डाकघर बीमा निधि नियमावली के नियम 40 के नीचे दी गई टिप्पणी को तदनुसार संशोधित किया जाएगा :

(V) नई परिभाषा सं. 17 निम्नानुसार जोड़ी जाएगी :

17. मार्केटिंग स्टाफ-

डाक जीवन बीमा तथा ग्रामीण डाक जीवन बीमा व्यवसाय प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा प्राधिकृत किसी भी व्यक्ति को 'मार्केटिंग स्टाफ' कहा जाएगा। मार्केटिंग स्टाफ में आईपीओ, एसपीओ, आईआरएम, एसआरएम, पूर्व-डीओ(पीएलआई), पीआरआई(पी), चुनिंदा डाक सहायक, पोस्टमैन, सेवानिवृत्त जीडीएस बीपीएम, डीओ(पीएलआई) तथा फील्ड अधिकारी, एसपीएम(ग्रामीण उप डाकघर), जीडीएस कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, महिला मंडल कार्यकर्ता, पूर्व-सैनिक, सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक, स्वयं सहायता समूह, ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सदस्य तथा डाक डिजीजनल अध्यक्ष द्वारा उचित समझा जाने वाला कोई अन्य कर्मचारी/व्यक्ति शामिल है।

(vi) डाकघर बीमा निधि नियमावली के नियम 33(1) के नीचे टिप्पणी 2 जोड़ा जाएगा और वर्तमान नोट को नोट 1 की संख्या दी जाएगी

टिप्पणी 2

पेड अप (प्रदत्त) तथा आटो पेड अप (स्वतः प्रदत्त) पालिसियों के संदर्भ में प्रीमियम बंद करने की तिथि से किसी बोनस का भुगतान नहीं किया जाएगा। पांच वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद अर्थात् यदि पालिसी कम से कम पांच वर्ष तक लागू रहती है तो प्रदत्त मूल्य पर आनुपातिक बोनस का भुगतान किया जाएगा।

टिप्पणी 3 को डाकघर बीमा निधि नियमावली के नियम 34 के नीचे जोड़ा जाएगा

प्रीमियम का भुगतान बंद करने की तिथि से किसी पालिसी के मामले में किसी बोनस का भुगतान नहीं किया जाएगा। पांच वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद अर्थात् यदि पालिसी कम से कम पांच वर्ष तक लागू रहती है तो प्रदत्त मूल्य पर आनुपातिक बोनस का भुगतान किया जाएगा।

(vii) ग्रामीण डाक जीवन बीमा की शुरुआत के लिए नया नियम 3(क) जोड़ा जाएगा।

नियमावली का अनुच्छेद 17.1 जोड़ा जाएगा:

आयु के गैर-मानक प्रमाण की स्थिति में बीमित राशि की अधिकतम सीमा एक लाख रु. होगी। 5% अतिरिक्त प्रीमियम लगाया जाएगा और 25,000/- रु. से अधिक बीमित राशि वाली पालिसियां चिकित्सा जांच के अध्वधीन होंगी। इसके अतिरिक्त आयु के गैर-मानक प्रमाण के आधार पर 25,000/-रु.(बीमित राशि) से अधिक मूल्य का बीमा कराने वाले किसी भी व्यक्ति की आयु 45 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

शेखर कु. सिन्हा, मुख्य महाप्रबंधक (पीएलआई) अपर सचिव के समतुल्य

MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY

(Department of Posts)

(Directorate of Postal Life Insurance)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st May, 2010

No. 25-01/2010-LI.—The President of India is pleased to direct the following amendments to the Post Office Insurance Fund Rules :

(i) Rule 9 (4)

Rule 9 (4) (a) and (b) shall be substituted with the following:

Rule 9(4)(a) A policy holder is advised to nominate a person or a religious trust to whom the sum assured shall become payable in the event of his death so as to save his

legal heirs the trouble and expense of obtaining legal title to the sums payable under the policy.

Rule 9 (4)(b) The holder of a policy of life assurance on his own life may, when effecting the policy or at any time before the policy matures for payment nominate the person or persons or a religious trust to whom the money secured by the policy is desired to be paid in the event of his death.

(ii) **Amendment to Rule 42 (1) (ii)(a), (ii)(b) and (iv)**

The amount of figures shown as Rs 75/- and Rs 10/- in the above Rule should be substituted by the figures Rs 1000/- and Rs 100/- respectively.

(iii) **New Rule 3 (A) shall be added for introduction of Rural Postal Life Insurance.**

Clause 8.2 of the Rules shall be substituted by the following:

“RPLI Non-Medical policies are to be accepted in respect of the proponents whose age on next birth day is up to 35 years. Other terms and conditions for RPLI Non-Medical policies as that of POIF Rules as amended from time to time shall be applicable mutatis mutandis except specified otherwise.”

(iv) **Amendment to Rule 39 and 40**

Following shall be added after the last sentence in the Rule 39 (3):

A policy can be reinstated for only three times during the term of policy by paying arrears of premiums with interest for not more than 6 months in respect of policy less than 3 years.

Following shall be added after the last sentence in the Rule 40 (4):

A policy can be reinstated for only three times during the term of policy by paying arrears of premiums with interest for not more than 12 months in respect of policy more than 3 years.

Note below Rule 40 of POIF Rules shall be amended accordingly.

(v) **New Definition No 17 shall be added as under:**

17. Marketing staff—

Any staff/person authorised by the Department to procure Postal Life Insurance and Rural Postal Life Insurance business shall be called as ‘Marketing

Staff. Marketing staff may include IPOs, ASPOs, IRMs, ASRMs, Ex D.O (PLI), PRI(P), Selected Postal Assistant, Postman, Retired GDS BPM, D.O (PLI) & Field Officer, SPM (Rural SO), GDS staff, Anganwadi worker, Mahila Mandal worker, Ex-Servicemen, Retired School teacher, SHGs, Gram Pradhan & Member Gram Panchayat and any other official/person as considered suitable by the Postal Divisional Head.

(vi) **Note 2 below Rule 33(1) POIF Rules shall be added and existing Note shall be numbered as Note 1**

Note 2

No bonus will be paid in respect of Paid Up and Auto Paid Up policies with effect from the date of discontinuance of premiums. Proportionate bonus shall be paid on paid up value after completion of 5 years i.e. if a policy remains in force at least for 5 years.

Note 3 shall be added below Rule 34 of POIF Rules

No bonus will be paid in respect of a policy with effect from the date of discontinuance of premiums. Proportionate bonus shall be paid on paid up value after completion of 5 years i.e. if a policy remains in force at least for 5 years.

(vii) **New Rule 3 (A) shall be added for introduction of Rural Postal Life Insurance.**

Clause 17.1 of the Rules shall be added:

The maximum limit of sum assured with non-standard proof of age shall be Rs one lac. The 5% extra premium will be loaded and policies with sum assured of more than Rs 25,000/- should be subject to usual medical examination. Also, anyone taking policies worth of more than Rs 25,000/- (sum assured) with non-standard proof of age shall not be beyond 45 years of age.

SHEKHAR K. SINHA, Chief General Manager (PLI) Equivalent to Addl. Secy.

2123 GRT/10-2